

पाठेनन्दरूपतः हि ब्रह्मसूत्रम् ।
तन्मन्त्रवत्तन्मन्त्रादिपिरित्वेन ब्रह्मसूत्रम् ॥

भाग १

संपादक तथा अङ्ग वादक
डॉ हरदेव ।हरा.डॉ रत्नान्द्र .भार